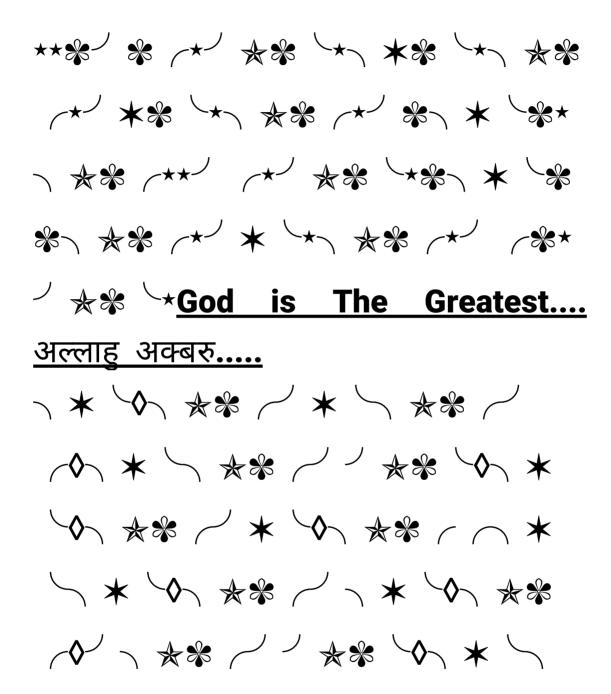
THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।



THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

** * * * *

••• (51:58)

Allaahu. swt.speaking:

Verily, Allah. is the All-Provider, Owner of Power, the Most Strong.

निश्चय ही अल्लाह• ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली, दृढ़



◆◆Verily, Allah・ॐ is the All-Provider, Owner of Power, the Most Strong.

निश्चय ही अल्लाह• अही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली, दृढ़..folio..1

●◇●◇To Allah belongs all that is in the heavens and all that is on the

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM.// उन्होंने अल्लाह की की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

earth/अल्लाह की का है जो कुछ आकाशों में है और जो कुछ धरती में है।...

- ●◇●◇And your llah (God) is One llah (God Allah・ॐ), तुम्हारा पूज्य-प्रभु अल्लाह・ॐ अकेला पूज्य-प्रभु है, ...
- ●♦●♦Verily! In the creation of the heavens and the earth, and in the alternation of night and day, and the ships which sail through the sea with that which is of use to mankind, and the water (rain) which Allah・ॐ sends down.,निस्संदेह आकाशों और धरती की संरचना में, और रात और दिन की अदला-बदली में, और उन नौकाओं में जो लोगों की लाभप्रद चीज़े लेकर समुद्र (और नदी) में चलती है, और उस पानी में जिसे अल्लाह・ॐ ने आकाश से उतारा,...
 - ●♦●♦Verily, We have created man from Nutfah drops of mixed semen (male and female gametes),हमने मनुष्य को एक मिश्रित वीर्य से बना दिया,

. . . .

●♦●♦And of everything We have created pairs, that you may remember (the Grace of Allah).और यह कि वही है जिसने नर और मादा के जोड़े पैदा

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। किए,...

- ●♦●♦And We have made from water every living thing. Will they not then believe?....और हमनेॐ पानी से हर जीवित चीज़ बनाई, तो क्या वे मानते नहीं?.....
 - ●♦●♦He has created the heavens without any pillars...उसनेॐ आकाशों को बनाया पैदा किया, (जो थमें हुए हैं) बिना ऐसे स्तम्भों के जो तुम्हें दिखाई दें।---
 - ●♦●♦And the earth We spread out, and placed therein firm mountains, and caused to grow therein all kinds of things in due proportion....और हमने धरती को फैलाया और उसमें अटल पहाड डाल दिए .---
- ●◇●◇And eat of the things which Allah has provided for you, lawful and good, and fear Allah in Whom you believe....Eat and pasture your cattle, (therein)....जो अच्छी-सुथरी चीज़ें हमने तुम्हें प्रदान की हैं उनमें से खाओ और अल्लाहॐ के आगे कृतज्ञता दिखलाओ,...
- ●◇●◇Eat not (O believers) of that (meat) on which Allah's Name has not

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.///निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दुढ़.....FOLIO.... 4

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की काइ न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

been pronounced (at the time of the slaughtering of the animal), for sure it is Fisq (a sin and disobedience of Allah)...और उसे न खाओं जिसपर अल्लाह का नाम न लिया गया हो। निश्चय ही वह तो आज्ञा का उल्लंघन है। ...

●◇●◇Truly, my Lord enlarges the provision for whom He wills of His slaves, and (also) restricts (it) for him, and whatsoever you spend of anything (in Allah' Scause), He will replace it. And He is the Best of providers.".मेरा रब ही है जो अपने बन्दों में से जिसके लिए चाहता है रोज़ी कुशादा कर देता है और जिसके लिए चाहता है नपी-तुली कर देता है। ...

Science is a nova entrant into genetics.....

●♦●♦Verily, Allah has purchased of the believers their lives and their properties; for the price that theirs shall be the Paradise. निस्संदेह अल्लाह की ईमानवालों से उनके प्राण और उनके माल इसके बदले में खरीद लिए है कि उनके लिए जन्नत है। ...

●◇●◇●◇Science is a new comer to gender studies.where as the

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की की का नानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

early illeterate rocky man knew how to raise crops Muslims have since long ages believed in God, s Commands that plants have life and gender also..

- ●◇●◇◇the intricacies of ñature are ever enigmatic_man with his limited megre intellectual resources cannot decipher / configure everything...so instead of....,
- ●♦●♦Verily! Allah commands that you should render back the trusts to those, to whom they are due; and that when you judge between men, you judge with justice...अल्लाह तुम्हें आदेश देता है कि अमानतों को उनके हक़दारों तक पहुँचा दिया करो।.....

●♦●♦And On the Day of Qiyaamahyou will see the mountains and think them solid, but they shall pass away
as the passing away of the clouds.और तुम पहाड़ों को देखकर समझते हो
कि वे जमे हुए है, हालाँकि वे चल रहे होंगे, ...

●♦●●♦●Science and Superstition:...

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की की काइ न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

◆◆◆Indian scientist J.C.Bose (1901)was the first to prove that plants are like any other life form

●◇●◇Hugo de Vries

◆◆◆◆Gregor Mendel/s theory of inheritance.....

- ●◇●◇They made not a just estimate of Allah such as is due to Him.. लोगोंने अल्लाह की क़द्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।..
- ●♦♦♦Allaahu. is the Creator of the heavens and the earth. He has made for you mates from yourselves, and for the cattle (also) mates. By this means He creates you (in the wombs). अल्लाह आकाशों और धरती का पैदा बनानेवाला है। ...
- ●♦●♦Everyone shall taste death. And only on the Day of Resurrection shall you be paid your wages in full. And whoever is removed away from the Fire and admitted to ♦●♦Paradise, he indeed is successful.प्रत्येक जीव मृत्यु का मज़ा चखनेवाला है, और तुम्हें तो क़ियामत के दिन पूरा-पूरा बदला दे दिया जाएगा।...

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

- ●◇●◇Beautified is the life of this world for those who disbelieve, and they mock at those who believe-इनकार करनेवाले सांसारिक जीवन पर रीझे हुए है और ईमानवालों का उपहास करते है,....
- ●◇●◇Allah gives you life, then causes you to die, then He will assemble you on the Day of Resurrection about which there is no doubt. But most of mankind know not."अल्लाह ही तुम्हें जीवन प्रदान करता है। फिर वहीं तुम्हें मृत्यु देता है। फिर वहीं तुम्हें क़ियामत के दिन तक इकट्ठा कर रहा है,...
- ●◇●◇Neither your relatives nor your children will benefit you on the Day of Resurrection (against Allahॐ). क़ियामत के दिन तुम्हारी नातेदारियाँ कदापि तुम्हें लाभ न पहुँचाएँगी और न तुम्हारी सन्तान ही। ,....
- ●♦●♦Ward off from yourselves and your families a Fire (Hell) whose fuel is men and stones, over which are (appointed) angels stern (and) severe,. अपने आपको और अपने घरवालों को उस आग से बचाओ जिसका ईधन मनुष्य और पत्थर होंगे, जिसपर कठोर स्वभाव के ऐसे बलशाली फ़रिश्ते नियक्त होंगे जो....

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

●♦●♦Some Scientifics....

●◇●◇Big Bang Law confirmed :-

Have not those who disbelieve known that the heavens and the earth were joined together as one united piece, then We parted them? And We have made from water every living thing. Will they not then believe?.देखा नहीं कि ये आकाश और धरती बन्द थे। फिर हमने उन्हें खोल दिया। ..

- ●◇●◇And We have placed on the earth firm mountains, lest it should shake with them, और हमने धरती में अटल पहाड़ रख दिए, ताकि कहीं ऐसा न हो कि वह उन्हें लेकर ढुलक जाए ...
- ●◇●◇Allah is He Who raised the heavens without any pillars that you can see.अल्लाह वह है जिसने आकाशों को बिना सहारे के ऊँचा बनाया जैसा कि तुम उन्हें देखते हो।..
- ●♦●♦He is the Most Beneficent (Allah), in Him we believe, and in Him we put our trust. So you will come to know who is it that is in manifest error. "कह दो, "वह रहमान है। उसी पर हम ईमान लाए है और उसी पर हमने भरोसा किया।....

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

- ●♦●♦If (all) your water were to be sunk away deeper into oblivion, who then can supply you with flowing (spring) water?".क्या तुमने यह भी सोचा कि यदि तुम्हारा पानी (धरती में) नीचे उतर जाए तो फिर कौन तुम्हें लाकर देगा निर्मल प्रवाहित जल?"...
- ●♦♦Verily! Allah holds the heavens and the earth lest they move away from their places, and if they were to move away from their places, there is not one that could grasp them after Him. Truly, He is Ever Most Forbearing, OftForgiving....अल्लाह ही आकाशों और धरती को थामे हुए है कि वे टल न जाएँ और यदि वे टल जाएँ तो उसके पश्चात कोई भी नहीं जो उन्हें थाम सके।....
- ●♦●♦Heॐ makes the night to go in the day and makes the day to go in the night. And Heॐ has subjected the sun and the moon. Each running (on a fixed course) for an appointed term.अल्लाहॐ ही आकाशों और धरती को सत्य के साथ बनाया। रात को दिन पर लपेटता है और दिन को रात पर लपेटता है। और उसनेॐ सूर्य और चन्द्रमा को वशीभृत कर रखा है।---- ...

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की काइ न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

- ●♦●♦And the sun runs on its fixed course for a term appointed. That is the Decree of the All-Mighty, the All-Knowing.और सूर्य अपने नियत ठिकाने के लिए चला जा रहा है। यह बाँधा हुआ हिसाब है प्रभुत्वशाली, ज्ञानवान का....
 - ●♦●♦And the moon, We have measured for it mansions (to traverse) till it returns like the old dried curved date stalk.और रहा चन्द्रमा, तो उसकी नियति हमने मंज़िलों के क्रम में रखी, यहाँ तक कि वह फिर खजूर की पूरानी टेढ़ी टहनी के सदृश हो जाता है...
 - ●♦●♦lt is He ₩Who made the sun a shining thing and the moon as a light and measured out its (their) stages, that you might know the number of years and the reckoning.वही है जिसने सूर्य को सर्वथा दीप्ति और चन्द्रमा का प्रकाश बनाया और उनके लिए मंज़िलें निश्चित की, ताकि तुम वर्षों की गिनती और हिसाब मालूम कर लिया करो। ..
- ●◇●◇It is not for the sun to overtake the moon, nor does the night outstrip the day. They all float, each in an orbit.... न सूर्य ही से हो सकता है कि चाँद को जा पकड़े और न रात दिन से आगे बढ़ सकती है। सब एक-एक कक्षा में तैर रहे हैं---

Nerily, Allaah Is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest./// 一字型

素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 1 1

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

- ●♦♦Verily, in the alternation of the night and the day and in all that Allah has created in the heavens and the earth are Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.) for those people who keep their duty to Allah, and fear Him much-निस्संदेह रात और दिन के उलट-फेर में और जो कुछ अल्लाह ने आकाशों और धरती में पैदा किया उसमें डर रखनेवाले लोगों के लिए निशानियाँ है....
- ●♦●♦No vision can grasp Him, but His Grasp is over all vision. He is the Most Subtle.. िनगाहें उसे नहीं पा सकतीं, बल्कि वही निगाहों को पा लेता है। वह अत्यन्त सूक्ष्म (एवं सूक्ष्मदर्शी) ख़बर रखनेवाला है..
- ●◇●◇See they not that We gradually reduce the land (Earth is Shrinking)
 from its outlying borders....क्या उन्होंने देखा नहीं कि हमॐ धरती पर चले
 आ रहे है, उसे उसके किनारों से घटाते हुए? ---
 - ●◇●◇With power did We construct the heaven. Verily, We are Able to extend the vastness of space thereof.

And We have spread out the earth, how Excellent Spreader (thereof) are We!..आकाश को हमने अपने हाथ के बल से बनाया और हम बड़ी

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। समाई रखनेवाले है----

- ●◇●◇And Weॐ have spread out the earth, how Excellent Spreader (thereof) are Weॐ!और धरती को हमनेॐ बिछाया, तो हमॐ क्या ही ख़ूब बिछानेवाले है.....
 - ●♦●♦So flee to Allah from His Torment to His Mercy Islamic

 Monotheism, verily,.अतः अल्लाह की ओर दौड़ो।.....
- ●◇●◇Weॐ have created you (i.e. Adam) from dust, then from a Nutfah (mixed drops of male and female sexual discharge i.e. offspring of Adam), then from a clot (a piece of thick coagulated blood) then from a little lump of flesh, some formed and some unformed (miscarriage), देखो, हमनेॐ तुम्हें मिट्टी से पैदा किया, फिर वीर्य से, फिर लोथड़े से, फिर माँस की बोटी से जो बनावट में पूर्ण दशा में भी होती है और अपूर्ण दशा में भी, ताकि हमॐ तुमपर स्पष्ट कर दें और हमॐ जिसे चाहते है एक नियत समय तक गर्भाशयों में ठहराए रखते है। फिर तुम्हें एक बच्चे के रूप में निकाल लाते है। फिर (तुम्हारा पालन-पोषण होता है) ताकि तुम अपनी युवावस्था को प्राप्त हो और तुममें से कोई तो पहले मर जाता है और कोई बुढ़ापे की जीर्ण अवस्था की

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 同毀世

ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 1 3

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की की काइ न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

ओर फेर दिया जाता है जिसके परिणामस्वरूप, जानने के पश्चात वह कुछ भी नहीं जानता...

्रिCove thy mother who bore you with many a hardship..हमने अम्म मनुष्य को अपने माँ-बाप के साथ अच्छा व्यवहार करने की ताकीद की।---.

●◇●◇Be He Glorified and Exalted above (all) that they attribute to Him ...और बेजाने-बूझे उनके लिए बेटे और बेटियाँ घड़ ली है। यह उसकी भिहिमा के प्रतिकूल है! अल्लाह उन बातों से उच्च है, जो वे बयान करते है!.---

Verily, Allah has cursed the disbelievers, and has prepared for them a flaming Fire (Hell).निश्चय ही अल्लाह ने इनकार करनेवालों पर लानत की है और उनके लिए भड़कती आग तैयार कर रखी है,----

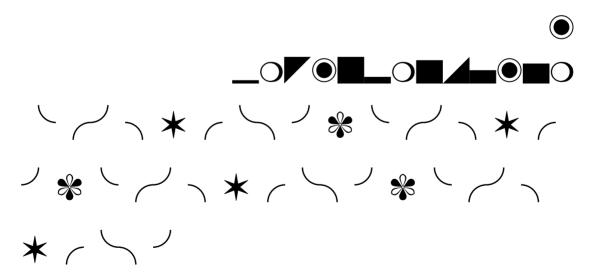
Verily, man was unjust (to himself) and ignorant (of its results)..निश्चय ही वह मनुष्य बड़ी ज़ालिम, आवेश के वशीभूत हो जानेवाला है....

Falsegods possess not even the weight of an atom (or a small ant), either in the heavens or on the earth, nor have they any share in either, nor there

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की की काइ न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

is for Him any supporter from among them....अल्लाह को छोड़कर जिनका तुम्हें (उपास्य होने का) दावा है, उन्हें पुकार कर देखो। वे न अल्लाह में कण? भर चीज़ के मालिक है और न धरती में और न उन दोनों में उनका कोई साझी है और न उनमें से कोई उसका सहायक है।....

- ●♦●♦"Woe to me! Would that I were dust!"--"ऐ काश! कि मैं मिट्टी होता!"-.,
- ●◇●◇Everyone shall taste the death. Then unto Us you shall be returned.-प्रत्येक जीव को मृत्यु का स्वाद चखना है। फिर तुम हमारी ओर वापस लौटोगे
 - ●◇●◇Dwellers of Paradise .जहाँ न हमें कोई मशक़्क़त उठानी पड़ती है और न हमें कोई थकान ही आती है।"...



Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest./// 同類

ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 1 5

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। (6:99) ○○○ Allaahu. swt.speaking:

It is He Who sends down water (rain) from the sky, and with it We bring forth vegetation of all kinds, and out of it We bring forth green stalks, from which We bring forth thick clustered grain. And out of the date-palm and its spathe come forth clusters of dates hanging low and near, and gardens of grapes, olives and pomegranates, each similar (in kind) yet different (in variety and taste). Look at their fruits when they begin to bear, and the ripeness thereof. Verily! In these things there are signs for people who believe.

और वही है जिसने आकाश से पानी बरसाया, फिर

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय

ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ़.....FOLIO.... 1 6

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH \$\frac{\psi}{\such as is due to Him.} \frac{\psi}{\such area} \frac{\psi}{\such area

○○○Allaahu. swt.speaking: (50:9)

And We send down blessed water (rain) from the sky, then We produce therewith gardens and grain (every kind of harvests) that are reaped.

और हमने आकाश से बरकतवाला पानी उतारा, फिर उससे बाग़ और फ़सल के अनाज।

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.///निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दढ़.....FOLIO.... 1 7

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की का जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

○○○Allaahu. swt.speaking:Al-Muminoon
(23:20)

And a tree (olive) that springs forth from Mount Sinai, that grows oil, and (it is a) relish for the eaters.

और वह वृक्ष भी जो सैना पर्वत से निकलता है, जो तेल और खानेवालों के लिए सालन लिए हुए उगता है

Who has made earth for you like a bed (spread out); and has opened roads (ways and paths etc.) for you therein; and has sent down water (rain) from the sky. And We have brought forth with it various kinds of vegetation.

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की का नानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

"वही है जिसने तुम्हारे लिए धरती को पालना (बिछौना) बनाया और उसने तुम्हारे लिए रास्ते निकाले और आकाश से पानी उतारा। फिर हमने उसके द्वारा विभिन्न प्रकार के पेड़- पौधे निकाले

With it He causes to grow for you the crops, the olives, the date-palms, the grapes, and every kind of fruit. Verily! In this is indeed an evident proof and a manifest sign for people who give thought.

और उसी में वह तुम्हारे लिए खेतियाँ उगाता है और ज़ैतून, खजूर, अंगूर और हर प्रकार के फल पैदा करता है। निश्चय ही सोच-विचार करनेवालों के लिए इसमें एक मिशानी है

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दुढ़.....Folio.... 1 9

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

○○○Allaahu. swt.speaking: (13:4)

And in the earth are neighbouring tracts, and gardens of vines, and green crops (fields etc.), and date-palms, growing out two or three from a single stem root, or otherwise (one stem root for every palm), watered with the same water, yet some of them We make more excellent than others to eat. Verily, in these things, there are Ayat (proofs, evidences, lessons, signs) for the people who understand.

और धरती में पास-पास भूभाग पाए जाते है जो परस्पर मिले हुए है, और अंगूरों के बाग़ है और खेतियाँ है और खजूर के पेड़ है, इकहरे भी और दोहरे भी। सबको एक ही पानी से सिंचित करता है, फिर भी हम पैदावार और स्वाद में किसी

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दढ़.....Folio.... 2 0

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किसी के मुक़ाबले में बढ़ा देते है। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ हैं, जो बुद्धि से काम लेते है



Ar-Ra'd (13:3)

And it is He Who spread out the earth, and placed therein firm mountains and rivers and of every kind of fruits He made Zawjain Ithnain -two in pairs . He brings the night as a cover over the day. Verily, in these things, there are Ayat (proofs, evidences, lessons, signs, etc.) for people who reflect.

और वही है जिसने धरती को फैलाया और उसमें जमे हुए पर्वत और निदयाँ बनाई और हरेक पैदावार की दो-दो क़िस्में बनाई। वही शरात से दिन को छिपा देता है। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ है जो सोच-विचार से काम लेते है

VERILY, ALLAAH IS THE

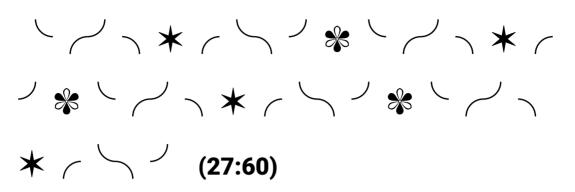
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字型

素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....FOLIO.... 2 1

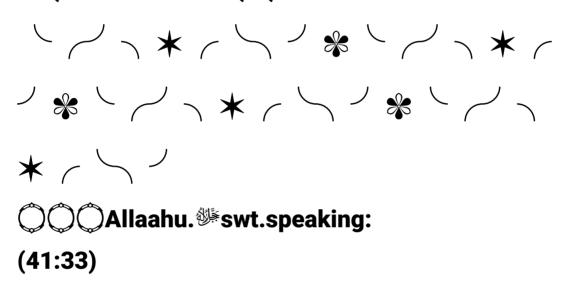
THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।



Is not He (better than Mythical gods)it is HE Who created the heavens and the earth, and sends down for you water (rain) from the sky, whereby We cause to grow wonderful gardens full of beauty and delight? It is not in your ability to cause the growth of their trees. Is there any ilah (god) with Allah ? Nay, but they are a people who ascribe equals (to Him)!

(तुम्हारे पूज्य अच्छे है) या वह ा जिसने आकाशों

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। और धरती को बनाया मैदा किया और तुम्हारे लिए आकाश से पानी बरसाया; उसके द्वारा हमने रमणीय उद्यान उगाए? तुम्हारे लिए सम्भव न था कि तुम उनके वृक्षों को उगाते। - क्या अल्लाह के साथ कोई और प्रभु-पूज्य है? नहीं, बल्कि वही लोग मार्ग से हटकर चले जा रहे हैं/



And who is better in speech than he who [says: "My Lord is Allah!" (believes in His Oneness)," and then stands straight (acts upon His Order), and invites (men) to Allah! (Islamic

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की क़द्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। Monotheism), and does righteous deeds, and says: "I am one of the Muslims."

और उस व्यक्ति से बात में अच्छा कौन हो सकता है जो अल्लाह की ओर बुलाए और अच्छे कर्म करे और कहे, " निस्संदेह मैं मुस्लिम (आज्ञाकारी) हूँ?"

000

Allaahu. swt.speaking:

Fussilat (41:34)

The good deed and the evil deed cannot be equal. Repel (the evil) with one which is better (i.e. Allah ordered the faithful believers to be patient at the time of anger, and to excuse those who treat them badly), then verily! he, between whom and you there was enmity, (will become) as

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दढ़.....Folio.... 2 4

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। though he was a close friend.

भलाई और बुराई समान नहीं है। तुम (बुरे आचरण की बुराई को) अच्छे से अच्छे आचरण के द्वारा दूर करो। फिर क्या देखोगे कि वही व्यक्ति तुम्हारे और जिसके बीच वैर पड़ा हुआ था, जैसे वह कोई घनिष्ठ मित्र है



Allaahu. swt.speaking:

(41:46)

Whosoever does righteous good deed it is for (the benefit of) his ownself, and whosoever does evil, it is against his ownself, and your Lord is not at all unjust to (His) slaves.

जिस किसी ने अच्छा कर्म किया तो अपने ही लिए और जिस किसी ने बुराई की, तो उसका

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH \$\frac{\psi}{\sigma} \text{ SUCH AS IS DUE TO HIM.} उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी किंद्र उसकी जाननी चाहिए थी। वास्तव भी उसी पर पड़ेगा। वास्तव में तुम्हारा रब अपने बन्दों पर तनिक भी जुल्म नहीं करता

••• (2:22)

Allaahu. swt.speaking:

Who has made the earth a resting place for you, and the sky as a canopy, and sent down water (rain) from the sky and brought forth therewith fruits as a provision for you. Then do not set up rivals unto Allah. (in worship) while you know (that He Alone has the right to be worshipped).

वही है जिसने तुम्हारे लिए ज़मीन को फर्श और आकाश को छत बनाया, और आकाश से पानी उतारा, फिर उसके द्वारा हर प्रकार की पैदावार की और फल तुम्हारी रोजी के लिए पैदा किए, अतः जब तुम जानते हो तो अल्लाह के के समकक्ष न

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। ठहराओ



Allaahu. swt.speaking:

(2:284)

To Allah belongs all that is in the heavens and all that is on the earth, and whether you disclose what is in your ownselves or conceal it, Allah will call you to account for it. Then He forgives whom He wills and punishes whom He wills. And Allah is Able to do all things.

अल्लाह• ही का है जो कुछ आकाशों में है और जो कुछ तुम्हारे मन है, यदि तुम उसे व्यक्त करो या छिपाओं, अल्लाह• तुमसे उसका हिसाब लेगा। फिर वह जिसे चाहे क्षमा कर दे और

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। जिसे चाहे यातना दे। अल्लाह को हर चीज़ की सामर्थ्य प्राप्त है

(2:163)Allaahu. swt.speaking:

And your Ilah (God) is One Ilah (God - Allah •), La ilaha illa Huwa (there is none who has the right to be worshipped but He), the Most Beneficent, the Most Merciful.

तुम्हारा पूज्य-प्रभु अल्लाह• अकेला पूज्य-प्रभु है, उस कृपाशील और दयावान के अतिरिक्त कोई पूज्य-प्रभु नहीं

000

(2:164)Allaahu. swt.speaking:

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM.// उन्होंने अल्लाह की कद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

Verily! In the creation of the heavens and the earth, and in the alternation of night and day, and the ships which sail through the sea with that which is of use to mankind, and the water (rain) which Allah.

sends down from the sky and makes the earth alive therewith after its death, and the moving (living) creatures of all kinds that He has scattered therein, and in the veering of winds and clouds which are held between the sky and the earth, are indeed Ayat (proofs, evidences, signs, etc.) for people of understanding.

निस्संदेह आकाशों और धरती की संरचना में, और रात और दिन की अदला-बदली में, और उन नौकाओं में जो लोगों की लाभप्रद चीज़े लेकर समुद्र (और नदी) में चलती है, और उस पानी में

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字型

素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ़.....FOLIO.... 2 9

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किया और उसकी जाननी चाहिए थी। जिसे अल्लाह के ने आकाश से उतारा, फिर जिसके द्वारा धरती को उसके निर्जीव हो जाने के पश्चात जीवित किया और उसमें हर एक (प्रकार के) जीवधारी को फैलाया और हवाओं को गर्दिश देने में और उन बादलों में जो आकाश और धरती के बीच (काम पर) नियुक्त होते है, उन लोगों के लिए कितनी ही निशानियाँ है जो बुद्धि से काम लें

●●● (76:2)Allaahu. swt.speaking:

Verily, We have created man from Nutfah drops of mixed semen ((male and female gametes)), in order to try him, so We made him hearer, seer.

हमने मनुष्य को एक मिश्रित वीर्य से बना दिया, उसे उलटते-पलटते रहे, फिर हमने उसे सुनने और देखनेवाला बना दिया

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 「一字型

素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....FOLIO....3 ○

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।



(30:54)

Allah is He Who created you in (a state of) weakness, then gave you strength after weakness, then after strength gave (you) weakness and grey hair. He creates what He wills. And it is He Who is the All-Knowing, the All-Powerful (i.e. Able to do all things).

अल्लाह ही है जिसनें तुम्हें निर्बल वजूद मे लाया -िफर निर्बलता के पश्चात शक्ति प्रदान की; फिर शक्ति के पश्चात निर्बलता और बुढापा दिया। वह जो कुछ चाहता है श्रुष्टि करता है। वह जो ननेवाला, सामर्थ्यवान है



(17:53) Allaahu. Swt.speaking:

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字型

素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ.....FOLIO.... 3 1

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की का नानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

And say to My• slaves (i.e. the true believers of Islamic Monotheism) that they should (only) Utter those words that are the best. (Because) Shaitan (Satan) verily, sows disagreements among them. Surely, Shaitan (Satan) is to man a plain enemy.

मेरे बन्दों से कह दो कि "बात वहीं कहें जो उत्तम हो। शैतान तो उनके बीच उकसाकर फ़साद डालता रहता है। निस्संदेह शैतान मनुष्य का प्रत्यक्ष शत्रु है।"



(18:46)Allaahu. swt.speaking:

Wealth and children are the adornment of the life of this world. But the good righteous deeds (five compulsory prayers, deeds of Allah's.

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। obedience, good and nice talk, remembrance of Allah with glorification, praises and thanks,love for other creatures etc.), that last, are better with your Lord for rewards and better in respect of hope.

माल और बेटे तो केवल सांसारिक जीवन की शोभा है, जबिक बाक़ी रहनेवाली नेकियाँ ही तुम्हारे रब के यहाँ परिणाम की दृष्टि से भी उत्तम है और आशा की दृष्टि से भी वही उत्तम है

●●● (75:39)Allaahu. swt.speaking:

And made him in two sexes, male and female.

और उसकी दो जातियाँ बनाई - पुरुष और स्त्री

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 「一點

高 अल्लाह हो है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ.....FOLIO.... 3 3

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

●●● (53:45)Allaahu. swt.speaking:

And that He (Allah.) creates the pairs, male and female,

और यह कि वही है जिसने नर और मादा के जोड़े पैदा किए,

●●● (51:49)Allaahu. swt.speaking:

And of everything We have created pairs, that you may remember (the Grace of Allah).

और हमने हर चीज़ के जोड़े बनाए, ताकि तुम ध्यान दो

●●● (55:52)Allaahu. swt.speaking:

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की का का ना चाहिए थी।

In them (gardens) will be every kind of fruit in pairs.

उन दोनों (बाग़ो) मे हर स्वादिष्ट फल की दो-दो किस्में हैं;

●●●(13:3)Allaahu. swt.speaking:

And it is He Who spread out the earth, and placed therein firm mountains and rivers and of every kind of fruits He made Zawjain Ithnain (two in pairs - .) He brings the night as a cover over the day. Verily, in these things, there are Ayat (proofs, evidences, lessons, signs, etc.) for people who reflect.

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। और वही है जिसने धरती को फैलाया और उसमें जमे हुए पर्वत और निदयाँ बनाई और हरेक पैदावार की दो-दो क़िस्में बनाई। वही रात से दिन को छिपा देता है। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ है जो सोच-विचार से काम लेते है

●●● (26:7)Allaahu. swt.speaking:

Do they not observe the earth, how much of every good kind We cause to grow therein?

क्या उन्होंने धरती को नहीं देखा कि हमने उसमें कितने ही प्रकार की उमदा चीज़ें पैदा की है?

●●● (26:8)Allaahu. swt.speaking:

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की क्रद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

Verily, in this is an Ayah (proof or sign), yet most of them (polytheists, pagans, etc., who do not believe in Resurrection) are not believers.

निश्चय ही इसमें एक बड़ी निशानी है, इसपर भी उनमें से अधिकतर माननेवाले नहीं

●●● (71:17)Allaahu. swt.speaking:

And Allah. has brought you forth from the (dust of) earth. [Tafsir At-Tabari, Vol. 29, Page 97].

"और अल्लाह• के ने तुम्हें धरती से विशिष्ट प्रकार से विकसित किया,

(21:30)

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की क्रद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

Have not those who disbelieve known that the heavens and the earth were joined together as one united piece, then We parted them? And We have made from water every living thing.

Will they not then believe?

क्या उन लोगों ने जिन्होंने इनकार किया, देखा नहीं कि ये आकाश और धरती बन्द थे। फिर हमने उन्हें खोल दिया। और हमने पानी से हर जीवित चीज़ बनाई, तो क्या वे मानते नहीं?

●●● (26:7)Allaahu. swt.speaking:

Do they not observe the earth, how much of every good kind We cause to grow therein?

क्या उन्होंने धरती को नहीं देखा कि हमने उसमें कितने ही

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय

ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ़.....FOLIO.... 3 8

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। प्रकार की उमदा चीज़ें पैदा की है?

000

(23:27)<u>మొదటిగ</u> <u>నావనుతయారుజేసిననావయ్య-నోహు-</u> Allaahu.[∰]swt.speaking:

So We 'inspired Noah (saying): "Construct the ship under Our Eyes and under Our' Revelation (guidance). Then, when Our' Command comes, and the oven gushes forth water, take on board of each kind two (male and female), and your family, except those thereof against whom the Word has already gone forth. And address Me 'not in favour of those who have done wrong. Verily, they are to be drowned.

तब हमने उसकी ओर प्रकाशना की कि "हमारी 🅬 आँखों के

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। सामने और हमारी में प्रकाशना के अनुसार नौका बना और फिर जब हमारा अमें आदेश आ जाए और तूफ़ान उमड़ पड़े तो प्रत्येक प्रजाति में से एक-एक जोड़ा उसमें रख ले और अपने लोगों को भी, सिवाय उनके जिनके विरुद्ध पहले फ़ैसला हो चुका है। और अत्याचारियों के विषय में मुझसे बात न करना। वे तो डूबकर रहेंगे

●●● (27:60)Allaahu. swt.speaking:

Is not He· (better than your gods)? (He·) Who created the heavens and the earth, and sends down for you water (rain) from the sky, whereby WeHe· cause to grow wonderful gardens full of beauty and delight? It is not in your ability to cause the growth of their trees. Is there any ilah (god) with Allah· Nay, but they are a people who ascribe equals (to Him·)!

Nerily, Allaah Is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest.//| 一字型

家 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 4 0

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की का नानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

(अल्लाह • अतुम्हारे पूज्य अच्छे है) या वह जिसने आकाशों और धरती को पैदा किया और तुम्हारे लिए आकाश से पानी बरसाया; उसके द्वारा हमने रमणीय उद्यान उगाए? तुम्हारे लिए सम्भव न था कि तुम उनके वृक्षों को उगाते। - क्या अल्लाह • अते साथ कोई और प्रभु-पूज्य है? नहीं, बल्कि वहीं लोग मार्ग से हटकर चले जा रहे है!

(2:22)Allaahu. swt.speaking:

It is Allaahu.swt. Who has made the earth a resting place for you, and the sky as a canopy, and sent down water (rain) from the sky and brought forth therewith fruits as a provision for you. Then do not set up rivals unto Allah. (in worship)

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दुढ़.....Folio.... 4 1

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की क्रद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। while you know (that He Alone has the right to be worshipped).

अल्लाह वही है जिसने तुम्हारे लिए ज़मीन को फर्श और आकाश को छत बनाया, और आकाश से पानी उतारा, फिर उसके द्वारा हर प्रकार की पैदावार की और फल तुम्हारी रोजी के लिए पैदा किए, अतः जब तुम जानते हो तो अल्लाह के समकक्ष न ठहराओ

(10:67)Allaahu. swt.speaking:

-{It is Allaahu∰.swt.}-

He it is Who has appointed for you the night that you may rest therein, and the day to make things visible (to you). Verily, in this are Ayat (proofs,

Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest./// 一字型

家記 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ.....Folio.... 4 2

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की का का ना जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.) for a people who listen (i.e. those who think deeply).

अल्लाह वही है जिसने तुम्हारे लिए रात बनाई ताकि तुम उसमें चैन पाओ और दिन को प्रकाशमान बनाया (ताकि तुम उसमें दौड़-धूप कर सको); निस्संदेह इसमें उन लोगों के लिए निशानियाँ है, जो सुनते है

000

000

(6:97)Allaahu. swt.speaking:

-{It is Allaahu∰.swt.}-

Who has set the stars for you, so that you may guide your course with their help through the darkness of the land and the sea. We have (indeed) explained in detail Our Ayat (proofs,

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दढ़.....Folio.... 4 3

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की का का ना जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। evidences, verses, lessons, signs, Revelations, etc.) for people who know.

और अल्लाह वही है जिसने तुम्हारे लिए तारे बनाए, ताकि तुम उनके द्वारा स्थल और समुद्र के अंधकारों में मार्ग पा सको। जो लोग जानना चाहे उनके लिए हमने निशानियाँ खोल-खोलकर बयान कर दी है

(42:11)Allaahu. [™] swt.speaking:

-{It is Allaahu∰.swt.}-

The Creator of the heavens and the earth. He has made for you mates from yourselves, and for the cattle (also) mates. By this means He creates you (in the wombs). There is nothing like unto Him, and He is the All-Hearer, the All-Seer.

Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest.//| 一字型

家 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 4 4

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

अल्लाह वही है ,वह आकाशों और धरती का पैदा करनेवाला है। उसने तुम्हारे लिए तुम्हारी अपनी सहजाति से जोड़े बनाए और चौपायों के जोड़े भी। फैला रहा है वह अत्रिमको अपने में। उसके अस्वृश कोई चीज़ नहीं। वही सबकुछ सुनता, देखता है

000

(67:23) Allaahu. Swt.speaking:

Say ·{It is Allaahu∰.swt.}·

Who has created you, and endowed you with hearing (ears), seeing (eyes), and hearts. Little thanks you give.

कह दो, "वही अल्लाह औहै जिसने तुम्हें **create** किया और तुम्हारे लिए कान और आँखे और दिल बनाए। तुम कृतज्ञता

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字型

素別 अल्लाह 別 表 रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ.....FOLIO.... 4 5

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। थोडे ही दिखाते हो।"



Allaahu. swt.speaking:

(31:20)

See you not (O men) that Allah has subjected for you whatsoever is in the heavens and whatsoever is in the earth, and has completed and perfected His Graces upon you, (both) apparent (i.e. Islamic Monotheism, and the lawful pleasures of this world, including health, good looks, etc.) and hidden [i.e. One's Faith in Allah (of Islamic Monotheism) knowledge, wisdom, guidance for doing righteous deeds, and also the pleasures and delights of the Hereafter in Paradise, etc.]? Yet of mankind is he who disputes about Allah without knowledge or guidance or a Book giving light!

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

क्या तुमने देखा नहीं कि अल्लाह ने, जो कुछ आकाशों में और जो कुछ धरती में है, सबको तुम्हारे काम में लगा रखा है और उसने तुमपर अपनी प्रकट और अप्रकट अनुकम्पाएँ पूर्ण कर दी है? इसपर भी कुछ लोग ऐसे है जो अल्लाह के विषय में बिना किसी ज्ञान, बिना किसी मार्गदर्शन और बिना किसी प्रकाशमान किताब के झगड़ते है



(14:34) Allaahu. Swt.speaking:

And Allah gave you of all that you asked for, and if you count the Blessings of Allah, never will you be able to count them. Verily! Man is indeed an extreme wrong-doer, - a disbeliever (an extreme ingrate, denies Allah selsesings by disbelief, and by

Nerily, Allaah Is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

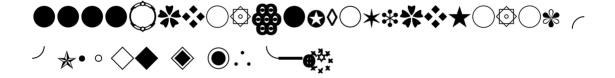
Power, the Irresistably Strongest./// 日報

ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 4 7

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की क्रद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। worshipping others besides Allah, and by disobeying Allah and His Prophet Muhammad SAW).

और हर उस चीज़ में से तुम्हें दिया जो तुमने उससे माँगा यदि तुम अल्लाह की नेमतों की गणना नहीं कर सकते। वास्तव में मनुष्य ही बड़ा ही अन्यायी, कृतघ्न है



(6:100)Allaahu. swt.speaking:

Yet, they join the jinns as partners in worship with Allah, though He has created them (the jinns), and they attribute falsely without knowledge sons

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.///निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दुढ़.....FOLIO.... 4 8

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की क़द्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। and daughters to Him. Ве He Glorified and Exalted above (all) that they attribute to Him...

और लोगों ने जिन्नों को अल्लाह का साझी ठहरा रखा है; हालाँकि उन्हें उसी ने पैदा किया है। और बेजाने-बूझे उनके लिए बेटे और बेटियाँ घड़ ली है। यह उसकी महिमा के प्रतिकूल है! यह उन बातों से उच्च है, जो वे बयान करते है!

"You do not worship besides Him but only names which you have named (forged), you and your fathers, for which Allah has sent down no authority. The

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की कद्र न जानी, जैसी कद्र उसकी जाननी चाहिए थी। command (or the judgement) is for none but Allah. He has commanded that you worship none but Him (i.e. His Monotheism), that is the (true) straight religion, but most men know not.

तुम उसके सिवा जिनकी भी बन्दगी करते हो वे तो बस निरे नाम हैं जो तुमने रख छोडे हैं और तुम्हारे बाप-दादा ने। उनके लिए अल्लाह ने कोई प्रमाण नहीं उतारा। सत्ता और अधिकार तो बस अल्लाह का है। उसने आदेश दिया है कि उसके सिवा किसी की बन्दगी न करो। यही सीधा, सच्चा दीन (धर्म) हैं, किन्तु अधिकतर लोग नहीं जानते

●●● (31:10)Allaahu. swt.speaking:

He has created the heavens without any pillars, that you see and has set on the earth firm mountains, lest it should shake with you. And

Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest./// 一字型

家 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 5 0

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।
He 'has scattered therein moving (living) creatures of all kinds. And We send down water (rain) from the sky, and We cause (plants) of every goodly kind to grow therein.

उसने आकाशों को बनाया पैदा किया, (जो थमें हुए हैं) बिना ऐसे स्तम्भों के जो तुम्हें दिखाई दें। और उसने धरती में पहाड़ डाल दिए कि ऐसा न हो कि तुम्हें लेकर डाँवाडोल हो जाए और उसने अउसमें हर प्रकार के जानवर फैला दिए। और हमने ही आकाश से पानी उतारा, फिर उसमें हर प्रकार की उत्तम चीज़े उगाई

●●● (15:19)Allaahu. swt.speaking:

And the earth We spread out, and placed therein firm mountains, and caused to grow therein all kinds of things in due proportion.

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। और हमने धरती को फैलाया और उसमें अटल पहाड़ डाल दिए और उसमें हर चीज़ नपे-तुले अन्दाज़ में उगाई

••• (15:20)

Allaahu. swt.speaking:

And We have provided therein(in the earth) all means of living, for you and for those whom you provide not [moving (living) creatures, cattle, beasts, and other animals].

और उसमें तुम्हारे गुज़र-बसर के सामान निर्मित किए, और उनको भी जिनको रोज़ी देनेवाले तुम नहीं हो

••• (50:7)

Allaahu. swt.speaking:

And the earth! We have spread it out, and set thereon mountains standing firm, and have

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字型

素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ.....FOLIO.... 5 2

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। produced therein every kind of lovely growth (plants).

और धरती को हमने कि फैलाया और उसमे अटल पहाड़ डाल दिए। और हमने उसमें हर प्रकार की सुन्दर चीज़े उगाई,

••• (2:172)

Allaahu. swt.speaking:

O you who believe (in the Oneness of Allah - Islamic Monotheism)! Eat of the lawful things that We have provided you with, and be grateful to Allah , if it is indeed He Whom you worship.

ऐ ईमान लानेवालो! जो अच्छी-सुथरी चीज़ें हमने तुम्हें प्रदान की हैं उनमें से खाओ और अल्लाह के के आगे कृतज्ञता दिखलाओ, यदि तुम उसी की बन्दगी करते

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। हो

••• (5:88)

Allaahu. swt.speaking:

And eat of the things which Allah has provided for you, lawful and good, and fear Allah in Whom you believe.

जो कुछ अल्लाह ने हलाल और पाक रोज़ी तुम्हें ही है, उसे खाओ और अल्लाह का डर रखो, जिसपर तुम ईमान लाए हो

••• (20:54)

Allaahu. swt.speaking:

Eat and pasture your cattle, (therein); verily, in this are proofs and signs for men of understanding.

Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest./// 一字型

素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 5 4

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH \$\mathbb{\sigma}\$ such as is due to Him./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। खाओ और अपने चौपायों को भी चराओ! निस्संदेह इसमें बुद्धिमानों के लिए बहुत-सी निशानियाँ है

••• (6:121)

Allaahu. swt.speaking:

Eat not (O believers) of that (meat) on which Allah's Name has not been the of the time pronounced (at slaughtering of the animal), for sure it is Fisq (a sin and disobedience of Allah . And certainly, the Shayatin (devils) do inspire their friends (from mankind) to dispute with you, and if you obey them [by making Al-Maytatah (a dead animal) legal by eating it], then you would indeed be Mushrikun (polytheists) [because they (devils and their friends) made lawful to you to eat that which Allah has made unlawful to eat and you

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字型

素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ़.....FOLIO.... 5 5

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की क्रद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। obeyed them by considering it lawful to eat, and by doing so you worshipped them, and to worship others besides Allah ॐis polytheism].

और उसे न खाओं जिसपर अल्लाह का नाम न लिया गया हो। निश्चय ही वह तो आज्ञा का उल्लंघन है। शैतान तो अपने मित्रों के दिलों में डालते है कि वे तुमसे झगड़े। यदि तुमने उनकी बात मान ली तो निश्चय ही तुम बहुदेववादी होगे

••• (34:39)

Allaahu. swt.speaking:

say: "Truly, my Lord enlarges the provision for whom He wills of His slaves, and (also) restricts (it) for him, and whatsoever you spend of anything (in Allah's Cause), He will replace it.

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। And He is the Best of providers."

कह दो, "मेरा रब हि है जो अपने बन्दों में से जिसके लिए चाहता है रोज़ी कुशादा कर देता है और जिसके लिए चाहता है नपी-तुली कर देता है। और जो कुछ भी तुमने ख़र्च किया, उसकी जगह वह तम्हें और देगा। वह सबसे अच्छा रोज़ी देनेवाला है।"



Allaahu. swt.speaking:

(9:111)

Verily, Allah has purchased of the believers their lives and their properties; for the price that theirs shall be the Paradise. They strive in Allah's Cause, by spending their everthing ..

It is a promise in truth which is binding on Him in

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। the Taurat (Torah) and the Injeel (Gospel) and the Quran. And who is truer to his covenant than Allah? Then rejoice in the bargain which you have concluded. That is the supreme success.

निस्संदेह अल्लाह शिन ईमानवालों से उनके प्राण और उनके माल इसके बदले में खरीद लिए है कि उनके लिए जन्नत है। वे अल्लाहश्य के मार्ग में अपना सबकुछ लुटाते है-। यह उनके ज़िम्मे तौरात, इनजील और क़ुरआन में (किया गया) एक पक्का वादा है। और अल्लाह से बढ़कर अपने वादे को पूरा करनेवाला हो भी कौन सकता है? अतः अपने उस सौदे पर खुशियाँ मनाओ, जो सौदा तुमने उससे किया है। और यही सबसे बड़ी सफलता है



(19:76)

Allaahu. swt.speaking:

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字型
表記 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़......FOLIO.... 5 8

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।
And Allah increases in guidance those who walk aright [true believers in the Oneness of Allah who fear Allah much (abstain from all kinds of sins and evil deeds which He has forbidden), and love Allah much (perform all kinds of good deeds which He has ordained)]. And the righteous good deeds that last, are better with your Lord, for reward and better for {Paradise Heaven Eden}resort.

और जिन लोगों ने मार्ग पा लिया है, अल्लाह उनके मार्गदर्शन में अभिवृद्धि प्रदान करता है और शेष रहनेवाली नेकियाँ ही तुम्हारे रब के यहाँ बदले और अन्तिम परिणाम की स्पष्ट से उत्तम है



Science is a new comer to gender

Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest./// 一字型

家記 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ.....Folio.... 5 9

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। studies.where as the early illeterate rocky man knew how to raise crops. Muslims have since long ages believed in God√s Commands that plants have life and gender also..

For first time in 1684.a sexual theory of plant reproduction was proposed , by English physician Nehemiah Grew.

German botanist Wilhelm Hofmeister, (1851,) proposed that sexual reproduction is a universal feature of plant life cycles, common amongst all lower herbs like mosses and ferns and flowering plants....viz ...all Angiosperms and Gymnosperms..

●◇●◇●◇...The intricacies of ñature are ever enigmatic;---_Man, with his limited megre intellectual resources cannot decipher / configure

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दुढ़.....Folio.... 6 0

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह 🐲 की क़द्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। everything...so instead of doubting/ Cataclism-/argumentative Denial, it is heed better to Creator our **Lord...** © Even Unicellular organisms produce male and female gametes Reproduction _whether Sexual or Asexual involves two different Factorscall them gametes /spermatizoa /ova

even in inanimate things every Atom has a nucleus ,a Proton and a Neutron....kudos to the Creator of the universe. How Excellent is HE?

(4:58)

Verily! Allah commands that you should render back the trusts to those, to whom they are due; and that when you judge between men, you judge with justice. Verily, how excellent is the teaching

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दढ.....FOLIO.... 6 1

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की काइ न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। which He (Allah) gives you! Truly, Allah is Ever All-Hearer, All-Seer.

अल्लाह जुम्हें आदेश देता है कि अमानतों को उनके हक़दारों तक पहुँचा दिया करो। और जब लोगों के बीच फ़ैसला करो, तो न्यायपूर्वक फ़ैसला करो। अल्लाह विवास कितनी अच्छी नसीहत करता है। निस्सदेह, अल्लाह सब कुछ सुनता, देखता है

QQQ (27:88)

And On the Day of Qiyaamah-

you will see the mountains and think them solid, but they shall pass away as the passing away of the clouds. The Work of Allah, Who perfected all things, verily! He is Well-Acquainted with what you do.

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字型

素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ.....FOLIO.... 6 2

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की कि कि कि कि वि जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। और तुम पहाड़ों को देखकर समझते हो कि वे जमे हुए है, हालाँकि वे चल रहे होंगे, जिस प्रकार बादल चलते है। यह अल्लाह की कारीगरी है, जिसने हर चीज़ को सुदृढ़ किया। निस्संदेह वह उसकी ख़बर रखता है, जो कुछ तुम करते हो

Science and Superstition:

The practice of artificially pollinating date palms began in the Bronze Age, yet the sexual role of pollen went unrecognized for millennia. The story told in Flora Unveiled is a remarkable example of how strongly cultural biases can influence our perceptions, impede scientific advances, and delay the acceptance of new discoveries.

"That something as basic as sex in plants could have remained hidden for so long, and then opposed when it

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की काद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। finally was described, shows just how powerful cultural biases can be," said Lincoln Taiz.



Indian scientist Jagadish Chandra Bose was the first to prove that plants are like any other life form in 1901.

Bose proved that plants have a definite life cycle, a reproductive system, and are aware of their surroundings.

Somewhere, Science has been made subservient to the all pervading bullshitty Superstition:

Ignorance was an institutionalized bliss in a certain lumpy land that was ruled by lumpen hitler butler oriano nostalgic elements playing gftl

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय

ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ.....FOLIO.... 6 4

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। second fiddle to imperial hegemonists...



The mutation theory of <u>Hugo de Vries</u> (1848–1935).....Carcinoma is a mutational malady caused mostly by perverse depraved lifestyle./radiation ,/.etc....

Hugo de Vries, a Dutch botanist, is the father of Mendelism, explaining the formation of new species in 1901. He did not agree with Charles Darwin' the proponent of the theory of evolution.

According to De Vries, new species are not formed by continuous variations but by sudden appearance of variations, which he named as mutations. Hugo de Vries stated that mutations are inheritable and transmittable via genes to the next generations.

Nerily, Allaah Is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest.///निश्चय

ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ.....Folio.... 6 5

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।



Gregor Mendel, theory of inheritance..

According to Mendel, inheritance patterns of traits are passed on from parents to offspring. Austrian monk Gregor Mendel, experimented with plants for years patiently in the 19th century.

These simple changes to the phenotype, or the trait displayed in an organism, can be explained through changes in our genes. Mendel's laws include the Law of Dominance and Uniformity, the Law of Segregation, and the Law of Independent Assortment.



Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest.//| 一字型

家 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 6 6

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

Boveri and Sutton's chromosome theory of inheritance states that genes are found at specific locations on chromosomes, and that the behavior of chromosomes during meiosis can explain Mendel's laws of inheritance.



●♦♦ (39:67)

They made not a just estimate of Allah such as is due to Him. And on the Day of Resurrection the whole of the earth will be grasped by His Hand and the heavens will be rolled up in His Right Hand. Glorified is He, and

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दुढ.....FOLIO.... 6 7

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की क्रद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। High is He above all that they associate as partners with Him!

लोगोंने अल्लाह की क़द्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। हालाँकि क़ियामत के दिन सारी की सारी धरती उसकी मुट्ठी में होगी और आकाश उसके दाएँ हाथ में लिपटे हुए होंगे। महान और उच्च है वह उससे, जो वे साझी ठहराते है

●♦♦ (42:11)

Allaahu. is the Creator of the heavens and the earth. He has made for you mates from yourselves, and for the cattle (also) mates. By this means He creates you (in the wombs). There is nothing like unto Him, and He is the All-Hearer, the All-Seer.

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH \$\frac{\psi}{\such as is due to Him.} \frac{\psi}{\sigma \frac{\psi}{\psi} \fr

●♦♦ (3:185)

Everyone shall taste death. And only on the Day of Resurrection shall you be paid your wages in full. And whoever is removed away from the Fire and admitted to Paradise, he indeed is successful. The life of this world is only the enjoyment of deception (a deceiving thing).

<u>प्रत्येक जीव मृत्यु का मज़ा चखनेवाला है, और तुम्हें तो क़ियामत के दिन पूरा-पूरा बदला दे दिया</u>

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH \$\frac{\psi}{\subseteq}\$ such as is due to Him./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। जाएगा। अतः जिसे आग (जहन्नम) से हटाकर जन्नत में दाख़िल कर दिया गया, वह सफल रहा। रहा सांसारिक जीवन, तो वह माया-सामग्री के सिवा कुछ भी नहीं

●♦**●**(2:212)

Beautified is the life of this world for those who disbelieve, and they mock at those who believe. But those who obey Allah 's Orders and keep away from what He has forbidden, will be above them on the Day of Resurrection. And Allah gives (of His Bounty, Blessings, Favours, Honours, etc. on the Day of Resurrection) to whom He wills without limit.

इनकार करनेवाले सांसारिक जीवन पर रीझे हुए है और ईमानवालों का उपहास करते है, जबिक जो लोग अल्लाह का डर रखते है, वे क़ियामत के दिन उनसे ऊपर

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दुढ़.....FOLIO.... 7 0

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। होंगे। अल्लाह जिस चाहता है बेहिसाब देता है

1 (45:26)

Say (to them): "Allah gives you life, then causes you to die, then He will assemble you on the Day of Resurrection about which there is no doubt. But most of mankind know not."

कह दो, "अल्लाह हैं ही तुम्हें जीवन प्रदान करता है। फिर वहीं तुम्हें मृत्यु देता है। फिर वहीं तुम्हें कियामत के दिन तक इकट्ठा कर रहा है, जिसमें कोई संदेह नहीं। किन्तु अधिकतर लोग जानते नहीं

•\$\(\phi\)(60:3)

Neither your relatives nor your children

Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest./// 一字型

家 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 7 1

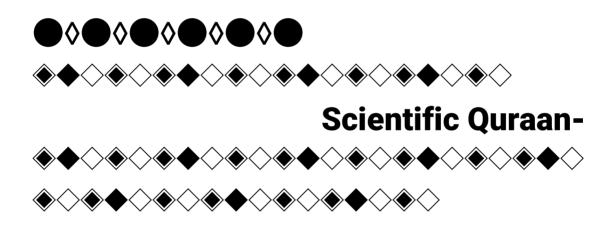
THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की क़द्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। will benefit you on the Day of Resurrection (against Allah). He will judge between you. And Allah is the All-Seer of what you do.

कियामत के दिन तुम्हारी नातेदारियाँ कदापि तुम्हें लाभ न पहुँचाएँगी और न तुम्हारी सन्तान ही। उस दिन वह (अल्लाह) तुम्हारे बीच जुदाई डाल देगा। जो कुछ भी तुम करते हो अल्लाह उसे देख रहा होता है

●♦♦ (66:6)

O you who believe! Ward off from yourselves and your families a Fire (Hell) whose fuel is men and stones, over which are (appointed) angels stern (and) severe, who disobey not, (from executing) the Commands they receive from Allah, but do that which they

ऐ ईमान लानेवालो! <u>अपने आपको और अपने घरवालों</u> को उस आग से बचाओ जिसका ईधन मनुष्य और पत्थर होंगे, जिसपर कठोर स्वभाव के ऐसे बलशाली फ़रिश्ते नियुक्त होंगे जो अल्लाह की अवज्ञा उसमें नहीं करेंगे जो आदेश भी वह उन्हें देगा, और वे वही करेंगे जिसका उन्हें आदेश दिया जाएगा



Big Bang Law confirmed by AlMighty....(: no longer a theory)

Have not those who disbelieve known that the heavens and the earth were joined together as one united piece, then We parted them? And We have made from water every living thing. Will they not then believe?

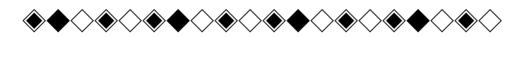
क्या उन लोगों ने जिन्होंने इनकार किया, <u>देखा नहीं कि ये</u> आकाश और धरती बन्द थे। फिर हमने उन्हें खोल दिया। और हमने पानी से हर जीवित चीज़ बनाई, तो क्या वे मानते नहीं?



(78:7)

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। And the mountains as pegs?

और पहाड़ों को मेख़े?



(21:31)

And We have placed on the earth firm mountains, lest it should shake with them, and We placed therein broad highways for them to pass through, that they may be guided.

और हमने धरती में अटल पहाड़ रख दिए, ताकि कहीं ऐसा न हो कि वह उन्हें लेकर ढुलक जाए और हमने उसमें ऐसे दर्रे बनाए कि रास्तों का काम देते है, ताकि वे मार्ग पाएँ

Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest.//| 一字型

家 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 7 5

(13:2)

Allah is He Who raised the heavens without any pillars that you can see. Then, He Istawa (rose above) the Throne (really in a manner that suits His Majesty). He has subjected the sun and the moon (to continue going round)! Each running (its course) for a term appointed. He regulates all affairs, explaining the Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.) in detail, that you may believe with certainty in the meeting with your Lord.

अल्लाह वह है जिसने आकाशों को बिना सहारे के ऊँचा बनाया जैसा कि तुम उन्हें देखते हो। फिर वह सिंहासन पर आसीन हुआ। उसने सूर्य और चन्द्रमा को

Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest./// 日報

高 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ.....Folio.... 7 6

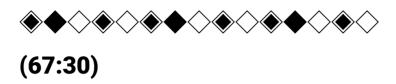
THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH \$\frac{\psi}{\such as is due to Him.}\ \frac{\psi}{\such area of are



Al-Mulk (67:29)

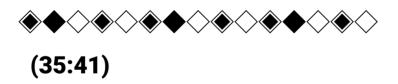
Say: "He is the Most Beneficent (Allah), in Him we believe, and in Him we put our trust. So you will come to know who is it that is in manifest error."

कह दो, "वह रहमान है। उसी पर हम ईमान लाए है और उसी पर हमने भरोसा किया। तो शीघ्र ही तुम्हें मालूम हो जाएगा कि खुली गुमराही में कौन पड़ा हुआ है।"



Say (O Muhammad SAW): "Tell me! If (all) your water were to be sunk away deeper into oblivion, who then can supply you with flowing (spring) water?"

कहो, "क्या तुमने यह भी सोचा कि यदि तुम्हारा पानी (धरती में) नीचे उतर जाए तो फिर कौन तुम्हें लाकर देगा निर्मल प्रवाहित जल?"



Verily! Allah grasps the heavens and

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字型
表記 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़......FOLIO..... 7 8

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की कद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। the earth lest they move away from their places, and if they were to move away from their places, there is not one that could grasp them after Him. Truly, He is Ever Most Forbearing, OftForgiving.

अल्लाह ही आकाशों और धरती को थामे हुए है कि वे टल न जाएँ और यदि वे टल जाएँ तो उसके पश्चात कोई भी नहीं जो उन्हें थाम सके। निस्संदेह, वह बहुत सहनशील, क्षमा करनेवाला है



Az-Zumar (39:5)

He has created the heavens and the earth with truth. He makes the night to go in the

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 日報

表記 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ.....FOLIO.... 7 9

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। day and makes the day to go in the night.

And He has subjected the sun and the moon. Each running (on a fixed course) for an appointed term. Verily, He is the All-Mighty, the Oft-Forgiving.

अल्लाह ही आकाशों और धरती को सत्य के साथ बनाया। रात को दिन पर लपेटता है और दिन को रात पर लपेटता है। और उसने सूर्य और चन्द्रमा को वशीभृत कर रखा है। प्रत्येक एक नियत समय को पूरा करने के लिए चल रहा है। जान रखो, वही प्रभुत्वशाली, बड़ा क्षमाशील है



(36:37)

And a sign for them is the night, We withdraw

Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

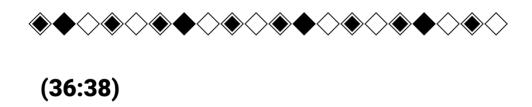
Power, the Irresistably Strongest./// 一字型

家記 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ.....Folio.... 8 0

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की कद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। therefrom the day, and behold, they are in darkness.

और एक निशानी उनके लिए रात है। हम उसपर से दिन को खींच लेते है। फिर क्या देखते है कि वे अँधेरे में रह गए



And the sun runs on its fixed course for a term appointed. That is the Decree of the All-Mighty, the All-Knowing.

और सूर्य अपने नियत ठिकाने के लिए चला जा रहा है। यह बाँधा हुआ हिसाब है प्रभुत्वशाली, ज्ञानवान का

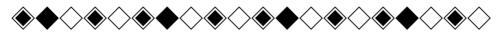
Nerily, Allaah is the
All-Sustainer Provider, Owner of Absolute
Power, the Irresistably Strongest.///निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दुढ़.....Folio.... 8 1

(36:39)

The Crescent.

And the moon, We have measured for it mansions (to traverse) till it returns like the old dried curved date stalk.

और रहा चन्द्रमा, तो उसकी नियति हमने मंज़िलों के क्रम में रखी, यहाँ तक कि वह फिर खजूर की पूरानी टेढ़ी टहनी के सदृश हो जाता है



*** ** (10:5)

It is He Who made the sun a shining thing and the moon as a light and

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की क्रद्र न जानी, जैसी क्रद्र उसकी जाननी चाहिए थी। measured out its (their) stages, that you might know the number of years and the reckoning. Allah did not create this but in truth. He explains the Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.) in detail for people who have knowledge.

वही है जिसने सूर्य को सर्वथा दीप्ति और चन्द्रमा का प्रकाश बनाया और उनके लिए मंज़िलें निश्चित की, ताकि तुम वर्षों की गिनती और हिसाब मालूम कर लिया करो। अल्लाह ने यह सब कुछ सोद्देश्य ही पैदा किया है। वह अपनी निशानियों को उन लोगों के लिए खोल-खोलकर बयान करता है, जो जानना चाहें



(36:40)

Nerily, Allaah Is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest./// 一字型

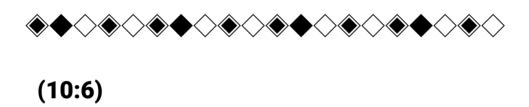
素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़......Folio.... 8 3

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की का का ना चाहिए थी।

It is not for the sun to overtake the moon, nor does the night outstrip the day. They all float, each in an orbit.

न सूर्य ही से हो सकता है कि चाँद को जा पकड़े और न रात दिन से आगे बढ़ सकती है। सब एक-एक कक्षा में तैर रहे हैं



Verily, in the alternation of the night and the day and in all that Allah has created in the heavens and the earth are Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.) for those people

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字型

素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ.....FOLIO.... 8 4

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। who keep their duty to Allah, and fear Him much.

निस्संदेह रात और दिन के उलट-फेर में और जो कुछ अल्लाह के ने आकाशों और धरती में पैदा किया उसमें डर रखनेवाले लोगों के लिए निशानियाँ है



(6:103) Allaahu. Swt.speaking

No vision can grasp Him, but His Grasp is over all vision. He is the Most Subtle and Courteous, Well-Acquainted with all things.

Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest.//| 一字型

家 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 8 5

निगाहें उसे नहीं पा सकतीं, बल्कि वही निगाहों को पा लेता है। वह अत्यन्त सूक्ष्म (एवं सूक्ष्मदर्शी) ख़बर रखनेवाला है



(13:41)Allaahu. swt.speaking

See they not that We gradually reduce the land (Earth is Shrinking) from its outlying borders. And Allah judges, there is none to put back His Judgement and He is Swift at reckoning.

क्या उन्होंने देखा नहीं कि हम धरती पर चले

Nerily, Allaah is the
All-Sustainer Provider, Owner of Absolute
Power, the Irresistably Strongest./// 日報

ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दुढ़.....Folio.... 8 6

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की की कुद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। आ रहे है, उसे उसके किनारों से घटाते हुए? अल्लाह ही फ़ैसला करता है। कोई नहीं जो उसके फ़ैसले को पीछे डाल सके। वह हिसाब भी जल्द लेता है



(51:47)Allaahu. [™]swt.speaking

With power did We construct the heaven. Verily, We are Able to extend the vastness of space thereof.

आकाश को हमने अपने हाथ के बल से बनाया और हम बडी समाई रखनेवाले है



VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字型

素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ.....FOLIO.... 8 7

(51:48) Allaahu. Swt. speaking

And We have spread out the earth, how Excellent Spreader (thereof) are We!

और धरती को हमने शक्ति बिछाया, तो हम क्या ही ख़ूब बिछानेवाले है



(51:49) Allaahu. Swt.speaking

And of everything We have created pairs, that you may remember (the Grace of Allah).

और हमने हर चीज़ के जोड़े बनाए, ताकि तुम ध्यान दो

Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest.//| 一字型

家 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 8 8



(51:50)Allaahu. swt.speaking:

So flee to Allah from His Torment to His Mercy Islamic Monotheism, verily, I (Muhammad SAW) am a plain warner to you from Him.

अतः अल्लाह की ओर दौडो। मैं उसकी ओर से तुम्हारे लिए एक प्रत्यक्ष सावधान करनेवाला हूँ

○●○●○● (22:5)Allaahu. ****swt.speaking:**

O mankind! If you are in doubt about the

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字型

素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ.....FOLIO.... 8 9

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की क़द्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। Resurrection, then verily! We have created you (i.e. Adam) from dust, then from a Nutfah (mixed drops of male and female sexual discharge i.e. offspring of Adam), then from a clot (a piece of thick coagulated blood) then from a little lump of formed and some some unformed (miscarriage), that We may make (it) clear to you (i.e. to show you Our Power and Ability to do what We will). And We cause whom We will to remain in the wombs for an appointed term, then We bring you out as infants, then (give you growth) that you may reach your age of full strength. And among you there is he who dies (young), and among you there is he who is brought back to the miserable old age, so that he knows after having known(Alzheimer.s nothina syndrome). And you see the earth barren, but when We send down water (rain) on it, it is

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字型

素別 अल्लाह 別 表 रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ़.....FOLIO.... 9 0

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की की कानी, जैसी कानी कानी चाहिए थी। stirred (to life), it swells and puts forth every lovely kind (of herbage, vegetation, sources of food cycle for the creatures).

ऐ लोगो! यदि तुम्हें दोबारा जी उठने के विषय में कोई सन्देह हो तो देखो, हमने अ तुम्हें मिट्टी से पैदा किया, फिर वीर्य से, फिर लोथडे से, फिर माँस की बोटी से जो बनावट में पूर्ण दशा में भी होती है और अपूर्ण दशा में भी, ताकि हम तुमपर स्पष्ट कर दें और हम किसे चाहते है एक नियत समय तक गर्भाशयों में ठहराए रखते है। फिर तुम्हें एक बच्चे के रूप में निकाल लाते है। फिर (तुम्हारा पालन-पोषण होता है) ताकि तुम अपनी युवावस्था को प्राप्त हो और तुममें से कोई तो पहले मर जाता है और कोई बुढ़ापे की जीर्ण अवस्था की ओर फेर दिया जाता है जिसके परिणामस्वरूप, जानने के पश्चात वह कुछ भी नहीं जानता। और तुम भूमि को देखते हो कि सूखी पड़ी है। फिर जहाँ हमने 🐲 उसपर पानी बरसाया कि वह फबक उठी और वह उभर आई और उसने हर प्रकार की शोभायमान चीज़े उगाई

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一第四

高 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ.....FOLIO.... 9 1

OCCION Love thy mother who bore you with many a hardship

(46:15)Allaahu. swt.speaking:

And We have enjoined on man to be dutiful and kind to his parents. His mother bears him with hardship and she brings him forth with hardship, and the bearing of him, and the weaning of him is thirty (30) months, till when he attains full strength and reaches forty years, he says: "My Lord! Grant me the power and ability that I may be grateful for Your Favour which You have bestowed upon me and upon my parents, and that I may do righteous good deeds, such as please You, and make my off-spring good. Truly, I have turned to You in repentance, and truly, I am one of the

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दढ.....FOLIO.... 9 2

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। Muslims (submitting to Your Will)."

हमने मनुष्य को अपने माँ-बाप के साथ अच्छा व्यवहार करने की ताकीद की। उसकी माँ ने उसे (पेट में) तकलीफ़ के साथ उठाए रखा और उसे जना भी तकलीफ़ के साथ। और उसके गर्भ की अवस्था में रहने और दूध छुड़ाने की अविध तीस माह है, यहाँ तक कि जब वह अपनी पूरी शक्ति को पहुँचा और चालीस वर्ष का हुआ तो उसने कहा, "ऐ मेरे रब! मुझे सम्भाल कि मैं तेरी उस अनुकम्पा के प्रति कृतज्ञता दिखाऊँ, जो तुने मुझपर और मेरे माँ-बाप पर की है। और यह कि मैं ऐसा अच्छा कर्म करूँ जो तुझे प्रिय हो और मेरे लिए मेरी संतित में भलाई रख दे। मैं तेरे आगे तौबा करता हूँ और मैं मुस्लिम (आज्ञाकारी) हूँ।"



(6:100)Allaahu. ₩swt.speaking:

Yet, they join the jinns as partners in worship with

Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest./// 一字型

家記 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 9 3

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की कद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।
Allah , though He has created them (the jinns), and they attribute falsely without knowledge sons and daughters to Him . Be He Glorified and Exalted above (all) that they attribute to Him .

और लोगों ने जिन्नों को अल्लाह का साझी ठहरा रखा है; हालाँकि उन्हें उसी ने पैदाकिया बनाया है। <u>और</u> बेजाने-बूझे उनके लिए बेटे और बेटियाँ घड ली है। यह उसकी महिमा के प्रतिकृल है! अल्लाह उन बातों से उच्च है, जो वे बयान करते है!

●●● (33:57)Allaahu. swt.speaking:

Verily, those who annoy Allah and His Messenger (SAW) Allah has cursed them in this world, and in the Hereafter, and has prepared for them a humiliating torment.

जो लोग अल्लाह और उसके अरसूल को दुख पहुँचाते है, अल्लाह ने उनपर दुनिया और आख़िरत में लानत की है और उनके लिए अपमानजनक यातना तैयार कर रखी है

(33:58) ● ◆ ● ()Allaahu. [™] swt.speaking:

And those who annoy believing men and women undeservedly, bear on themselves the crime of slander and plain sin.

और जो लोग ईमानवाले पुरुषों और ईमानवाली स्त्रियों को, बिना इसके कि उन्होंने कुछ किया हो (आरोप लगाकर), दुख पहुँचाते है, उन्होंने तो बड़े मिथ्यारोपण और प्रत्यक्ष गुनाह का बोझ अपने ऊपर उठा लिया

●�● (33:64)Allaahu. swt.speaking:

Verily, Allah has cursed the disbelievers, and has prepared for them a flaming Fire (Hell).

निश्चय ही अल्लाह ने इनकार करनेवालों पर लानत की है और उनके लिए भड़कती आग तैयार कर रखी है,

(34:5) Allaahu. swt.speaking:

But those who strive against Our Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.) to frustrate them, those, for them will be a severe painful torment.

"रहे वे लोग जिन्होंने हमारी आयतों को मात करने का प्रयास किया, वह है जिनके लिए बहुत ही बुरे प्रकार की दुखद यातना है।"

(33:72)Allaahu. swt.speaking:

Truly, We did offer AlAmanah (the trust or moral responsibility or honesty and all the duties which Allah has ordained) to the heavens and the earth, and the mountains, but they declined to bear it and were afraid of it (i.e. afraid of Allah 's Torment). But man bore it. Verily, man was unjust (to himself) and ignorant (of its results).

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.///निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दुढ़.....FOLIO.... 9 7

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH \$\frac{\psi}{\such as is due to Him.} \frac{\psi}{\such area} \frac{\psi}{\rightarrow} \frac{\psi}{\righ

●��� (33:73)Allaahu. swt.speaking:

So that Allah will punish the hypocrites, men and women, and the men and women who are AlMushrikun (the polytheists, idolaters, pagans, disbelievers in the Oneness of Allah, and in His Messenger Muhammad SAW). And Allah will pardon (accept the repentance of) the true believers of the Islamic Monotheism, men and women. And Allah is Ever OftForgiving, Most Merciful.

Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest./// 一字型

素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 9 8

ताकि अल्लाह कपटाचारी पुरुषों और कपटाचारी स्त्रियों और बहुदेववादी पुरुषों और बहुदेववादी स्त्रियों को यातना दे, और ईमानवाले पुरुषों और ईमानवाली स्त्रियों पर अल्लाह किपा-स्पष्ट करे। वास्तव में अल्लाह बड़ा क्षमाशील, दयावान है

●�●�● (34:22)Allaahu. swt.speaking:

Say: (O Muhammad SAW to those polytheists, pagans, etc.) "Call upon those whom you assert (to be associate gods) besides Allah, they possess not even the weight of an atom (or a small ant), either in the heavens or on the earth, nor have they any share in either, nor there is for Him any supporter from among them.

Nerily, Allaah Is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest./// 日報

ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 9 9

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH \$\frac{\psi}{\such as is due to Him.} \frac{\psi}{\sigma \frac{\psi}{\psi} \fr

●**※●※●** (35:39)Allaahu. **Swt.speaking**:

He(Allaahu. swt) it is Who has made you successors generations after generations in the earth, so whosoever disbelieves (in Islamic Monotheism) on him will be his disbelief. And the disbelief of the disbelievers adds nothing but hatred with their Lord. And the disbelief of the disbelievers adds nothing but extreme loss to themselves.

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.///निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दुढ़.....FOLIO.... 1 0 0

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। वहीं तो है जिसने तुम्हे धरती में ख़लीफ़ा बनाया। अब तो कोई इनकार करेगा, उसके इनकार का वबाल उसी पर है। इनकार करनेवालों का इनकार उनके रब के यहाँ केवल प्रकोप ही को बढ़ाता है, और इनकार करनेवालों का इनकार केवल घाटे में ही अभिवृद्धि करता है.....(नतीजा ठन ठनाठन-सुफाला)

●●● (29:54)Allaahu. swt.speaking:

They ask you to hasten on the torment. And verily! Hell, of a surety, will encompass the disbelievers.

वे तुमसे यातना के लिए जल्दी मचा रहे है, हालाँकि जहन्नम इनकार करनेवालों को अपने घेरे में लिए हुए है

●●● (29:55)Allaahu. swt.speaking:

On the Day when the torment (Hell-fire) shall cover them from above them and from underneath their feet, and it will be said: "Taste what you used to do."

जिस दिन यातना उन्हें उनके ऊपर से ढाँक लेगी और उनके पाँव के नीचे से भी, और वह कहेगा, "चखो उसका मज़ा जो कुछ तुम करते रहे हो!"

••• (78:40)

Verily, We have warned you of a near torment, the Day when man will see that (the deeds) which his hands have sent forth, and the disbeliever will say:

"Woe to me! Would that I were dust!"

हमने तुम्हें निकट आ लगी यातना से सावधान कर दिया है।

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.///निश्चय

ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ़.....FOLIO.... 1 0 2

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH \$\frac{\psi}{\such as is due to Him.} \frac{\psi}{\such area} \frac{\psi}{\rightarrow} \frac{\psi}{\righ

●●● (29:56)Allaahu. swt.speaking:

O My slaves who believe! Certainly, spacious is My earth. Therefore worship Me (Allaahu. swt alone)."

ऐ मेरे बन्दों, जो ईमान लाए हो! निस्संदेह मेरी धरती विशाल है। अतः तुम (मेरी यअनी)अल्लाह ही इबादात करो

●●● (29:57)Allaahu. swt.speaking:

Everyone shall taste the death. Then unto

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

Us you shall be returned.

<u>प्रत्येक जीव को मृत्यु का स्वाद चखना है। फिर</u> <u>त्म हमारी ओर वापस लौटोगे</u>

●●● (29:58)Allaahu. swt.speaking:

And those who believe (in the Oneness of Allah Islamic Monotheism) and do righteous good deeds, to them We shall surely give lofty dwellings in Paradise, underneath which rivers flow, to live therein forever. Excellent is the reward of the workers.

हमं-अल्लाहु-ॐजो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उन्हें हमॐ जन्नत की ऊपरी मंज़िल के कक्षों में जगह देंगे, जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी। वे उसमें सदैव रहेंगे। क्या ही अच्छा प्रतिदान है कर्म करनेवालों का!

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की का का ना चाहिए थी।

●●● (29:59)Allaahu. swt.speaking:

Those who are patient, and put their trust (only) in their Lord (Allah).

जिन्होंने धैर्य से काम लिया और जो अपने रब^ॐ पर भरोसा रखते है

●●● (35:35)Allaahu. swt.speaking:

Dwellers of Paradise

Who, out of His Grace, has lodged us in a home that will last forever; there, toil will touch us not, nor weariness will touch us."

जिसने अपने उदार अनुग्रह से रहने के ऐसे घर में

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय

ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

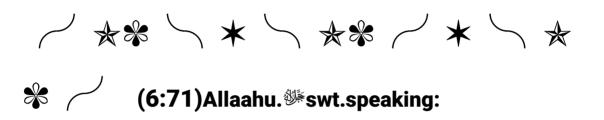
दढ़.....FOLIO.... 1 0 5

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। उतारा जहाँ न हमें कोई मशक़्क़त उठानी पड़ती है और न हमें कोई थकान ही आती है।"

●●● (3:64)Allaahu. swt.speaking:

Say (O Muhammad SAW): "O people of the Scripture (Jews and Christians): Come to a word that is just between us and you, that we worship none but Allah, and that we associate no partners with Him, and that none of us shall take others as lords besides Allah. Then, if they turn away, say: "Bear witness that we are Muslims."

कहो, "ऐ किताबवालो! आओ एक ऐसी बात की ओर जिसे हमारे और तुम्हारे बीच समान मान्यता प्राप्त है; यह कि हम अल्लाहॐ के अतिरिक्त किसी की बन्दगी न करें और न



Say (O Muhammad SAW): "Shall we invoke others besides Allah (false deities), that can do us neither good nor harm, and shall we turn on our heels after Allah has guided us (to true Monotheism)? - like one whom the Shayatin (devils) have made to go astray, confused (wandering) through the earth, his companions calling him to guidance (saying): 'Come to us.' " Say: "Verily, Allah's Guidance is

Nerily, Allaah is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest.//| 一字型

家 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 1 0 7

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की का का जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। the only guidance, and we have been commanded to submit (ourselves) to the Lord of the 'Alamin (mankind, jinns and all that exists);

कहो, "क्या हम अल्लाह को छोड़कर उसे पुकारने लग जाएँ जो न तो हमें लाभ पहुँचा सके और न हमें हानि पहुँचा सके और हम उलटे पाँव फिर जाएँ, जबिक अल्लाह ने हमें मार्ग पर लगा दिया है? - उस व्यक्ति की तरह जिसे शैतानों ने धरती पर भटका दिया हो और वह हैरान होकर रह गया हो। उसके कुछ साथी हो, जो उसे मार्ग की ओर बुला रहे हो कि हमारे पास चला आ!" कह दो, "मार्गदर्शन केवल अल्लाह का मार्गदर्शन है और हमें इसी बात का आदेश हुआ है कि हम सारे संसार के स्वामी को समर्पित हो जाएँ।"

So the self certified +self appointed,+ self assumed claiments of ownership of all best things----:::---finest maners/ highest

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। education/vultural marauding culture/(myfoot! what boozy ,licentious ,screwy ,gftl,)civilization/ others whole earth/ others entire resources/ simultaeniouly Flouting the Commands of God_and severely addicted to wine ,dine on Swine,women,wealth..

Hark! prophet Eesaa is coming for you only.....and for me too. By GOD, s order Eesaa will straighten every stubborn son of a beasty beauty bit. spreading disorder and filth in all directions by Terror, but masqurading as a reformer upholder of values... + + ++++ polytheists, Tyrants, Oppressors, Exploiters, immoral, obscene mortals, wrong-doers, scriptural hypocrites,

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字

R अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ़.....FOLIO.... 1 0 9

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH \$\sum_{\text{SUCH AS IS DUE TO HIM.}}\rightarrow\rightarr

And those exploiting Radioactive Elements in foreign countries like Mali., Niger, Sahara And those who occupied and pillaged

Filistine,iraq,Afghanistan,Greate,Syria,Libya, somalia,japan,indonesia,Malaysia,Philippine s,47 nations of Africa,

Those who brougt down Regimes in many coutries including

Algeria, iraq, Egypt, Pakistan, Afganistan.

Chile, Yugoslovia, ,Brazil, Argentina, Banglades h, Pakistan, Turkey, etc...

Somalia,,etc...

And those who are after Turkey,iran,Korea,and now Russia and China,..Troubleshooters fishing in every

NERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 日報

高 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ़.....FOLIO.... 1 1 0

(27:25)...see the writing in the Scripture...

(2:11)

And when it is said to them: "Make not mischief on the earth," they say: "We are only peacemakers."

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH \$\frac{\psi}{\subset} \text{ SUCH AS IS DUE TO HIM.} उन्होंने अल्लाह कि की कि जानी, जैसी क़द्र उसकी जानी चाहिए थी। और जब उनसे कहा जाता है कि "ज़मीन में बिगाड़ पैदा न करो", तो कहते हैं, "हम तो केवल सुधारक है।""



27:25

Al-La (interpretation) :-As Shaitan (Satan) has barred them from Allah's Way so that they do not worship (prostrate before) Allah, Who brings to light what is hidden in the heavens and the earth, and knows what you conceal and what you reveal.

अल्लाह को सजदा न करें जो आकाशों और धरती की छिपी चीज़ें निकालता है, और जानता है जो कुछ भी तुम छिपाते हो और जो कुछ प्रकट करते हो

Nerily, Allaah Is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest.//| 一字型

家 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 1 1 2

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

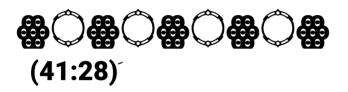
(4:140)

And it has already been revealed to you in the Book (this Quran) that when you hear the Verses of Allah being denied and mocked at, then sit not with them, until they engage in a talk other than that; (but if you stayed with them) certainly in that case you would be like them. Surely, Allah will collect the hypocrites and disbelievers all together in Hell,

वह 'किताब' में तुमपर यह हुक्म उतार चुका है कि जब तुम सुनो कि अल्लाह की आयतों का इनकार किया जा रहा है और उसका उपहास किया जा रहा है, तो जब तब वे किसी दूसरी बात में न लगा जाएँ, उनके

VERILY, ALLAAH IS THE
ALL-SUSTAINER_PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE
POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST.//निश्चय
ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,
दुढ़.....FOLIO.... 1 1 3

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। साथ न बैठो, अन्यथा तुम भी उन्हों के जैसे होगे; निश्चय ही अल्लाह कपटाचारियों और इनकार करनेवालों - सबको जहन्नम में एकत्र करनेवाला है



That is the recompense of the enemies of Allah: The Fire, therein will be for them the eternal home, a (deserving) recompense for that they used to deny Our Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.).

वह है अल्लाह के शत्रुओं का बदला - आग। उसी में उसका सदा का घर है, उसके बदले में जो वे हमारी आयतों का इनकार करते रहे

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की काइ न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।



(9:2)

So travel freely (O Mushrikun -) for four months (as you will) throughout the land, but know that you cannot escape (from the Punishment of) Allah, and Allah will disgrace the disbelievers.

"अतः इस धरती में चार महीने और चल-फिर लो और यह बात जान लो कि अल्लाह के के क़ाबू से बाहर नहीं जा सकते और यह कि अल्लाह इनकार करनेवालों को अपमानित करता है।"



Tech._low or -high is exclusively for the

VERILY, ALLAAH IS THE

ALL-SUSTAINER PROVIDER, OWNER OF ABSOLUTE

POWER, THE IRRESISTABLY STRONGEST./// 一字型

素別 अल्लाह 別 表 रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दढ.....FOLIO.... 1 1 5

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की क्रद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। select few only...allied wolves hunting together

....With a sole ravaging nefarious intent of usurpation,, exploitation to the hilt, actively drawning Some are out CNG., CrudePetroleum, Groundwater, Gold, Silv er,minerals,Uraniam,Thorium, Lithium, And a host God, s resources. meant for the well being of the whole Humanity. .Some have occupied others, continents by sponsored slave trades..bv state genocides, by driving away the original inhabitants with violence and Terror...by all fasaady,fustaty means.....thus exploitation on unabated @least goes since **6ooyears.....kabtak mere Mowla?**

**** (76:31)**

Nerily, Allaah Is the

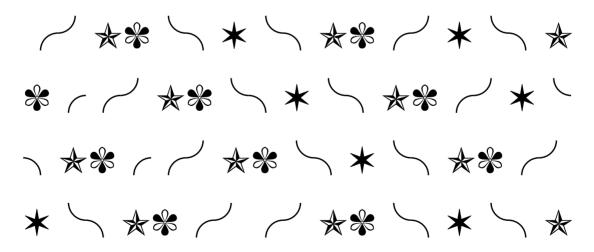
All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest./// 日報 **ही अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली, द्**ढ़.....Folio.... 1 1 6

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

He will admit to His Mercy whom He will and as for the Zalimun, i.e.polytheists, Tyrants, Oppressors, Exploiters, immoral, obscene mortals, wrong-doers, scriptural hypocrites, etc. He has prepared a painful torment.

वह जिसे चाहता है अपनी दयालुता में दाख़िल करता है। रहे ज़ालिम, तो उनके लिए उसने अ दुखद यातना तैयार कर रखी है



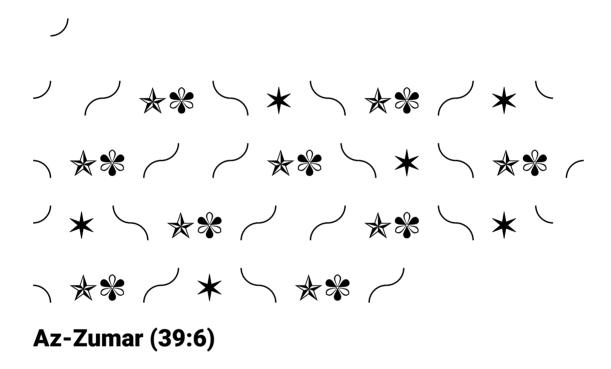
THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

★ ★★ Aal-i-Imraan (3:102)

يَّأَيُهَا ٱلذِينَ ءَامَنُوا ٱتقُوا ٱللهَ حَق تقاتِهِ۔ وَلَا تَمُوتُنَ إِلَا وَأَنتُم مُسْلِمُونَ

O you who believe! Fear Allah (by doing all that He has ordered and by abstaining from all that He has forbidden) as He should be feared. [Obey Him), be thankful to Him always], and remember Him always], and die not except in a state of Islam (as Muslims) with complete submission to Allah .

ऐ ईमान लानेवालो/ अल्लाह ॐ का डर



He created you (all) from a single person (Adam); then made from him his wife [Hawwa' (Eve)]. And He has sent down for you of cattle eight pairs (of

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की कद्र न जानी, जैसी कद्र उसकी जाननी चाहिए थी। the sheep, two, male and female; of the goats, two, male and female; of the oxen, two, male and female; and of the camels, two, male and female). He creates you in the wombs of your mothers, creation after creation in three veils of darkness, such is Allah your Lord. His is the kingdom, La ilaha illa Huwa (none has the right to be worshipped but He). How then are you turned away?

उसने तुम्हें अकेली जान पैदा किया; फिर उसी से उसका जोड़ा बनाया और तुम्हारे लिए चौपायों में से आठ नर-मादा उतारे। वह तुम्हारी माँओं के पेटों में तीन अँधेरों के भीतर तुम्हें एक सृजनरूप के पश्चात अन्य एक सृजनरूप देता चला जाता है। वही अल्लाह तुम्हारा रब है। बादशाही उसी की है, उसके अतिरिक्त कोई पूज्य-प्रभु नहीं। फिर तुम कहाँ फिरे जाते हो?

Nerily, Allaah Is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest.//| 「一字型

家 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 1 2 0

And these only wait for a single Saihah [shout (i.e. the blowing of the Trumpet by the angel Israfil Sarafil)] there will be no pause or ending thereto [till everything will perish except Allah (the only God full of Majesty, Bounty and Honour)].

इन्हें बस एक चीख की प्रतीक्षा है जिसमें तिनक भी अवकाश न होगा



Have they not travelled in the land and seen what was the end of those who were before them? They were superior to them in strength, and in the traces (which they left) in the land. But Allah seized them with punishment for their sins. And none had they to protect them from Allah.

क्या वे धरती में चले-फिरे नहीं कि देखते कि उन लोगों का कैसा परिणाम हुआ, जो उनसे पहले गुज़र चुके है? वे शक्ति और धरती में अपने चिन्हों की दृष्टि\ से उनसे कहीं बढ़-चढ़कर थे, फिर उनके गुनाहों के कारण अल्लाह ने उन्हें पकड़ लिया। और अल्लाह से उन्हें बचानेवाला कोई न हुआ

Shared using Quran App

Nerily, Allaah is the

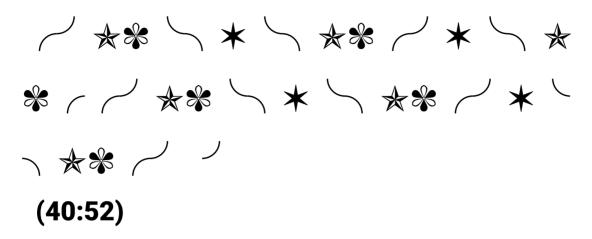
All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest./// 一字型

素別 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

दुढ़.....Folio.... 1 2 2

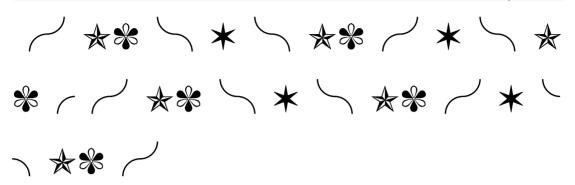
THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH \$\frac{\psi}{\subset} \subseteq \text{SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। https://the-guran.app/r/40/21



The Day when their excuses will be of no profit to Zalimun (polytheists, wrong-doers and disbelievers in the Oneness of Allah). Theirs will be the curse, and theirs will be the evil abode (i.e. painful torment in Hell-fire).

जिस दिन ज़ालिमों को उनका उज्र (सफ़ाई पेश करना) कुछ भी लाभ न पहुँचाएगा, बल्कि उनके लिए तो लानत है और उनके लिए बुरा घर है

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह कि की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।



Al-Ghaafir (40:58)

And not equal are the blind and those who see, nor are (equal) those who believe (in the Oneness of Allah Islamic Monotheism), and do righteous good deeds, and those who do evil. Little do you remember!

अंधा और आँखोंवाला बराबर नहीं होते, और वे लोग भी परस्पर बराबर नहीं होते जिन्होंने ईमान लाकर अच्छे कर्म किए, और न बुरे कर्म करनेवाले ही परस्पर बराबर हो सकते है। तुम होश से काम थोड़े ही लेते हो!

Nerily, Allaah Is the

All-Sustainer Provider, Owner of Absolute

Power, the Irresistably Strongest.//| 一字型

家 अल्लाह ही है रोज़ी देनेवाला, शक्तिशाली,

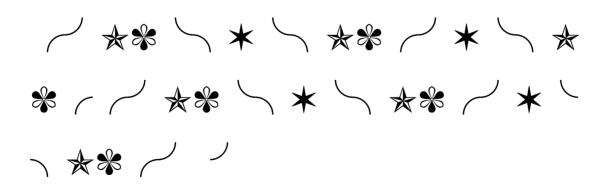
दुढ़.....Folio.... 1 2 4

وَقَالَ رَبُكُمُ ٱدْعُونِیَ أَسْتَجِبْ لَكُمْ إِنَّ اللَّمِ الْرَبِّكُمُ الْرَبِّ اللَّمِ الْرَبِّ اللَّهِ اللَّذِينَ يَسْتَكُبِرُونَ عَنْ عِبَادَتِی سَيَدْخُلُونَ اللَّذِينَ يَسْتَكُبِرُونَ عَنْ عِبَادَتِی سَيَدْخُلُونَ جَهَنَّمَ دَاخِرِينَ جَهَنَّمَ دَاخِرِينَ

And your Lord said: "Invoke Me, [i.e. believe in My Oneness (Islamic Monotheism)] (and ask Me for anything) I will respond to your (invocation). Verily! Those who

THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की काद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी। scorn My worship [i.e. do not invoke Me, and do not believe in My Oneness, (Islamic Monotheism)] they will surely enter Hell in humiliation!"

तुम्हारे रब ने कहा कि "तुम मुझे पुकारो, मैं तुम्हारी प्रार्थनाएँ स्वीकार करूँगा।" जो लोग मेरी बन्दगी के मामले में घमंड से काम लेते है निश्चय ही वे शीघ्र ही अपमानित होकर जहन्नम में प्रवेश करेंगे



THEY MADE NOT A JUST ESTIMATE OF ALLAAH SUCH AS IS DUE TO HIM./// उन्होंने अल्लाह की किंद्र न जानी, जैसी क़द्र उसकी जाननी चाहिए थी।

